GOVERNMENT BILLS

The National Commission for Minority Educational Institutions (Amendment) Bill, 2005

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to amend the National Commission for Minority Educational Institutions Act, 2004.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI ARJUN SINGH: Sir, I introduce the Bill.

The Indian Medical Council (Amendment) Bill, 2005

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMDOSS): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Medical Council Act, 1956.

The question was put and the motion was adopted.

DR. ANBUMANI RAMDOSS: Sir, I introduce the Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. Ahluwaliaji...(Interruptions)...

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बगांल) **:** महोदय, ये शुरू से बोल रहे है । ...(**व्यवधान**)...Sir, I have a point of order. Since morning he has been saying that he has to raise a question. When the time has come, he is saying somebody else will raise the question...*(Interruptions)...* Right from the morning, he has been saying that he wants to raise a question...*(Interruptions)...* The whole Question Hour was disrupted because he wanted to raise a question. Now, he says, let someone else raise the question... *(Interruptions)...*

श्री उपसभापति : आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)... पाणि जी, आप क्यों उठकर खड़े हो गए ? ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: I have a serious point of order...*(Interruptions)...* This is not correct...*(Interruptions)...* What is this?...*(Interruptions)..* He wanted to raise a question. Now he wants someone else to raise the question...*(Interruptions)...*

श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) : उपसभापति महोदय , हम दोनों ने ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आपके दोस्त है । वे आपको चाहते है । वे आपको सुनना चाहते है । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : उपसभापति महोदय, वे हमारे सिर्फ दोस्त ही नहीं है । कहीं गाली न हो जाए, इसलिए मैं उनको साला नहीं कहना चाहता । वे मेरे ब्रदर- इन – लॉ भी है । ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: When he said that he had to raise a question...*(Interruptions)...* For half-an-hour he discussed with the House. We want him to introduce the subject...*(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no both of them have given the notice... *(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Without knowing the subject, he interrupted the House for half-an-hour in the Question Hour...*(Interruptions)...* Without knowing the subject, he was arguing the case with the Chair...*(Interruptions)...* What does this mean?...*(Interruptions)...* He was misleading the House...*(Interruptions)...* He was misleading the Chair...*(Interruptions)...* by having an argument, without knowing the issue...*(Interruptions)...*

श्री उपसभापति : उसे छोडिए । ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: How can one hold the House to ransom?...*(Interruptions)...* He is holding the House to ransom... *(Interruptions)...*

श्री एस. एस. अहलुवालिया : मैं पार्टी का मुख्य सचेतक हूं । मैं जिस भी सदस्य का नाम पुकारना चाहूं , पुकार सकता हूं ।

श्री उपसभापति : आप बोलिए। रवि शंकर प्रसाद जी, देखिए I would request that you can raise whatever you want to raise, but within the rules, and the Office of the Governor, under the rules, has to be kept in mind. Otherwise, whatever is open on that, I will not be allowing that. ...*(Interruptions)...*

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) **:** आदरणीय उपसभापति जी ...(**व्यवधान**)....

SHRI PRAMOD MAHAJAN (Maharashtra): On Governor also,

श्री उपसभापति : अभी कहा गया – परम्परा । अभी क्या परम्परा है, मैं वह भी देखूंगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : वहां राष्ट्रपति शासन है तो क्या कर सकते है । ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : उस शासन में भी परम्परा वही है ॥

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Re: Certain alleged remarks made by a Cabinet Minister in an interview on a Television Chennel

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : आदरणीय उपसभापति जी, आपने मुझे एक लोक महत्व के विषय को उठाने की अनुमति दी है । मैं नियम – परम्पराओं की मर्यादा में रहूंगा और वहां की जो परम्पराएं रही है, उनके अनुसार भी अपनी बातें कहूंगा ।

आदरणीय उपसभापति जी, भारत के संविधान में कुछ प्रावधान है । ये प्रावधान बहुत ही स्पष्ट है । महामहिम राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है , यह संविधान की धारा 155 में लिखा हुआ है , The Governor of a State shall be appointed by the President by warrant under his hand and seal. " यह प्रावधान है । संविधान की धारा 156 में लिखा हुआ है । " The Governor shall hold office during the pleasure of the President. " हम संसदीय लोकतंत्र में है । महामहिम राष्ट्रपति जी अपने इन संवैधानिक अधिकारों का उपयोग मंत्री परिषद, प्रधान मंत्री जी की सलाह पर करते है । यह लोक महत्व का विषय बहुत महत्वपूर्ण है कि यू. पी. ए. सरकार के एक महत्वपूर्ण मन्त्रि ने एक साक्षात्कार में यह कहा है कि* *...(Interruptions)...*

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : महोदय, माननीय सदस्य ये क्या कह रहे है ? ...(**व्यवधान**)... उन्होंने अभी कहा कि गवर्नर का अप्वांटमेंट राष्ट्रपति जी करते है । ...(**व्यवधान**)... फिर वे ऐसा किस आधार पर कह रहे है? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : कुछ सुनने दीजिए । ...(**व्यवधान**)... भंडारी जी, आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)... भंडारी जी, आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)...

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, उन्होंने अभी – अभी कहा है कि ...(**व्यवधान**)...

*Expunged as ordered by the Chair.